#RIGHTTOBREATHE

DELHI NCR'S AIR IS A GAS CHAMBER!

A Call to Action from Citizen Groups of Delhi

Our city is facing a humanitarian crisis. With AQI 500+, children are struggling to breathe, and the elderly are collapsing. This slow, painful death is fueled by the silence and inaction of the Union and State governments. We are being forced to inhale poison daily, suffering breathlessness, burning eyes, and long-term organ damage. Clean Air is Non-Negotiable.

FACT: THE SILENT KILLERS

* **Deadly Reality:** PM2.5 levels in Delhi remain upto 50-100 times higher than the safe limit set by the WHO throughout the year.
* **Key Sources:** Unchecked Vehicular Emissions, rampant Construction Dust, and uncontrolled Industrial Pollution.
* **The Failure:** There is no emergency plan, no long-term roadmap, and no political will to protect citizens.

OUR DEMANDS ARE NON-NEGOTIABLE

* An Immediate Emergency Plan from both Union and State governments.
* A science-backed Long-Term Strategy to curb all pollution sources.
* Recognition of The Right to Breathe and an AQI of 50 as fundamental rights.

FIGHT FOR YOUR LUNGS! JOIN US!

This is not a one-day protest. We will continue until the government implements and enforces a plan to solve this crisis.

Students, Youth, and Concerned Citizens

Unite Now —Your Life is at Stake.

Register Now to join this movement : https://righttobreatheindia.in/

#RIGHTTOBREATHE

दिल्ली-NCR एक गैस चैंबर बन चुका है!

हमारा शहर एक मानवीय संकट का सामना कर रहा है।

AQI 500+ के साथ, बच्चे साँस लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, और बुजुर्गों का दम घुट रहा है। यह धीमी, दर्दनाक मौत केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की निष्क्रियता से पनप रही है। हमें रोज़ाना जहरीली हवा में साँस में लेना पड़ रहा है, जिसके कारण साँस फूलना, आँखों में जलन और फेफड़ों को दीर्घकालिक नुकसान हो रहा है।

तथ्य: हमारी धीमी मौत के कारण

हकीकत : पूरे साल दिल्ली NCR में PM2.5 का स्तर WHO द्वारा निर्धारित सीमा से 50 गुना से 100 गुना तक रहता है।

कारण : अनियंत्रित वाहनों का उत्सर्जन (सबसे बड़ा स्रोत), अनियंत्रित निर्माण का प्रदूषण (Construction Dust), और बेलगाम औद्योगिक प्रदूषण।

विफलता: सरकार के पास नागरिकों की रक्षा के लिए कोई आपातकालीन योजना, कोई दीर्घकालिक रोडमैप, और कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है।

हमारी माँगें साफ हैं

- केंद्र और राज्य दोनों सरकार तत्काल आपातकालीन योजना लागू करें।
- प्रदूषण के सभी स्रोतों को कम करने के लिए विज्ञान-समर्थित दीर्घकालिक रणनीति बनाई जाएं।
- साँस लेने के अधिकार और AQI 50 को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जाए।

अपने फेफड़ों को बचाने के लिए आवाज उठाएं! एकजुट हों!

यह एक दिन का विरोध नहीं है। हम तब तक जारी रखेंगे जब तक सरकार इस संकट को हल करने के लिए एक योजना लागू नहीं करती।

छात्रों, युवाओं, और नागरिकों हम
सबका जीवन दाँव पर है एकजुट हों।

इस आंदोलन से जुड़ने के लिए अभी रजिस्टर करें: https://righttobreatheindia.in/